श्री हनुमानगढ़ी वानर सेवा मिशन · अयोध्या धाम

श्री हनुमत वानर सेवा संकल्प

ध्यान का समय · रविवार, 29 नवंबर 2026 · दोपहर 1:11 बजे (IST)

संकल्प और प्रेरणा

ज्योतिषाचार्य प्रशांत खले जी के अनुसार, हनुमान चालीसा का पाठ करते हुए ध्यान में उन्हें अयोध्या की श्री हनुमानगढ़ी के हनुमान जी ने विराट स्वरूप में दर्शन दिए और वानरों की सेवा का संदेश दिया। गुरुजी के शब्दों में, हनुमान जी का आदेश था, "अपने वंश के लिए खाने-पीने और रहने की व्यवस्था करो।" गुरुजी ने इसे वानरों के लिए भोजन, पानी और सुरक्षित प्राकृतिक आश्रय की व्यवस्था करने का संकल्प माना।

गुरुजी के अनुसार, ध्यान में उन्हें यह संदेश भी मिला, "दान का 100 गुना वापस मिलेगा।" वे इसे सेवा की आध्यात्मिक प्रेरणा के रूप में साझा करते हैं। दान स्वैच्छिक है और इसे किसी आर्थिक प्रतिफल का वादा न समझें।

संकल्प — अयोध्या के वानरों के लिए भोजन, पानी, चिकित्सा, प्राकृतिक आश्रय और संरक्षण को समर्पित सेवा का संकल्प।

सेवा के उद्देश्य

- **भोजन** — स्थानीय विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में सुरक्षित पोषण और पानी की व्यवस्था की योजना।
- **चिकित्सा** — घायल या बीमार वानरों के लिए वन विभाग और पशु चिकित्सकों से समन्वय।
- **प्राकृतिक आश्रय** — स्थानीय हरित क्षेत्रों, प्राकृतिक भोजन स्रोतों और आश्रय स्थलों के संरक्षण पर ध्यान।
- **संरक्षण** — वानरों के साथ सुरक्षित सह-अस्तित्व और जिम्मेदार व्यवहार के लिए जनजागरूकता।

ध्यान के समय का मुहूर्त · अयोध्या पंचांग

तिथि	कृष्ण पक्ष षष्ठी
वार	रविवार
नक्षत्र	आश्लेषा
योग	ब्रह्म · शाम 5:08 तक
करण	गर · दोपहर 2:48 तक
विक्रम संवत	2083

अयोध्या के पंचांग में दोपहर 1:11 बजे का समय यमगण्ड (11:49–1:08) के समाप्त होने के लगभग तीन मिनट बाद और शुभ चौघड़िया (1:08–2:28) के भीतर आता है। राहुकाल दोपहर 3:48 से शाम 5:07 तक है। सभी समय भारतीय मानक समय में हैं। चौघड़िया परंपरा में इस अवधि को शुभ कार्यों के लिए अनुकूल माना जाता है।

पंचांग का संदर्भ अयोध्या के लिए है। अनुभव के समय का वास्तविक स्थान अलग होने पर स्थानीय मुहूर्त की गणना बदल सकती है। स्रोत: वेदिकदृष्टि, अयोध्या पंचांग।

हर जीव की सेवा, हनुमत भक्ति का संकल्प।
यह श्री हनुमानगढ़ी, अयोध्या धाम से प्रेरित एक स्वतंत्र सेवा पहल है।